डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 18 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 26 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

## तूफान दाना घोल रहा मौसम में ठंडक

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** अंचल में ठंड का असर दिखने लगा है। सुबह-सुबह शाम हल्की ओस गिरने लगी है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी।

उधर चक्रवाती तूफान दाना का असर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। इसके असर से 26, 27 अक्टूबर को पूर्वी क्षेत्र के 8 जिलों में गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान है। हालांकि मंदसौर क्षेत्र में इसका असर नहीं रहेगा। इस दौरान कहीं-कहीं हल्के बादल छाए रह सकते हैं। तूफान के असर से प्रदेश में हवा की रफ्तार भी तेज होगी। जिले में अधिकतम तापमान 31 डिग्री व न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास बना हुआ है। तूफान के असर से मंदसौर अंचल में भी ठंडक में बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान दाना गुरुवार रात 12:05 बजे ओडिशा के तट से टकराया। सुबह करीब 8:30 बजे इसकी लैंडफॉल प्रोसेस खत्म हुई। दोपहर तक यह तूफान और कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा।

# सिक्कों से मुंह मोड़ा..!

### एक, दो और पांच के सिक्कों से परहेज, व्यापारी कर रहे ना, बैंक भी कर रहे आनाकानी

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एक समय था जब गल्लक में एक, दो या पांच के सिक्के जमा किए जाते थे। लेकिन, अब मानो यह सिक्के अघोषित रूप से चलन से ही बाहर हो गए हो। बड़े व्यापारी तो चिल्लर लेने से साफ मना कर रहे हैं। वहीं कई बैंक भी इसे लेने में आनाकानी कर रही है। यहां परेशान हो रहा है आम नागरिक।**

सब्जी मंडी से लगाकर किराना व्यापारी, पेट्रोल पंप व मेडिकल संचालक अब 1, 2 व 5 के सिक्के लेने से परहेज करने लगे हैं। एक तरह से अघोषित रूप से चिल्लर चलन से बाहर हो रही है। खासकर फुटकर व्यापारी सिक्के लेने से इनकार कर रहे हैं। यह भी कहा जा सकता है कि व्यापारियों द्वारा भारतीय मुद्रा का अपमान किया जा रहा है। जिससे आमजन परेशान हो रहा हैं। इससे पहले 50 पैसे का सिक्का चलन से बाहर हो गया है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक ने इनको बंद नहीं किया है, बावजूद लोगों ने अपने हिसाब से लेना बंद कर दिया। है। यह स्थिति किसी एक शहर या गांव की नहीं बल्कि पूरे मंदसौर जिले में यही हाल हैं। व्यापारी आमजन को सिक्के दे देते हैं। लेकिन, जब लेने की बात आती है तो आना-कानी करते हैं। अघोषित रूप से सिक्के चलन से बाहर हो जाने से घरों में इनकी भरमार हो चुकी है। गली-मोहल्लों में अधिकांश किराना व्यापारी व दूध डेयरी वालों ने सिक्के लेना ही बंद कर दिए है। ऐसे में 1 रुपए में मिलने वाली एक वस्तु को 10 रुपए देकर 10 खरीदना पड़ रही है। अब सिक्के सिर्फ शादी-ब्याह में बांटने या अंतिम यात्रा में उपयोग हो रहे हैं। इसके अलावा लोग अब सिक्कें को मंदिर या अन्य धार्मिक स्थानों पर - लगे दानपात्र में ही डालने के उपयोग में ले रहे हैं।

#### व्यापारी भी मजबूर...

महत्वपूर्ण बात यह है कि कई बैंक सिक्के लेने में आनाकानी कर रहे हैं। इसका भी कारण यह है कि अगर दस हजार के सिक्केव्यापारी बैंक लेकर जाए तो वहां उसे गिनने में बैंक स्टॉफ को काफी समय लग जाएगा। वहीं अगर दस-दस हजार के चार या पांच व्यापारी एक साथ पहुंच जाए तो करीब चार घंटे का इंतजार व्यापारी को करना होगा। इधर बैंकों के पास भी स्टॉफ इतना ज्यादा नहीं है कि एक कर्मचारी को सिक्के गिनने के लिए नियुक्त किया जा सके।

#### इस तरह उलझ रहे लोग...

अगर किसी वस्तु का मूल्य छह रुपए है तो ग्राहक को मजबूरन चार रुपए वापिस लेना होगे। अगर पांच जगहों पर यह स्थिति बनती है तो उसके पास बीस रूपए के सिक्के एकत्रित हो जाते हैं। दो या तीन दिन में इस तरह की स्थिति के बाद सिक्कें की संख्या बढ जाती है। यहीं परेशानी अब लोगों के सामने बनी हुई है। मंदसौर निवासी सुयश जैन ने बताया कि घर के आसपास के किराना व्यवसायी व ठेले पर सब्जी लेकर घूमने वाले एक, दो व पांच का सिक्के लेने से इनकार कर देते हैं। ऐसे में न चाहते हुए भी 10, 20 या 50 रुपए की सब्जी या सामान खरीदनी पड़ती है, ताकि खुल्ले रुपए का झंझट न हो।

### मंडी में नीलामी नौ दिनो तक नीलामी स्थगित रहेगी, इसके पहले शुक्रवार को मंदसौर मंडी में बंपर आवक रही।

## कृषि मंडी में नौ दिन छुट्टी

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** त्योहारी छुट्टियों से पहले कृषि उपज मंडियों में बम्पर आवक हो रही है। मन्दसौर कृषि उपज मंडी में अगले 9 दिनों तक अवकाश रहेगा। अब दीपावली के बाद ही कृषि मंडिया खुलेंगी।

मिली जानकारी के अनुसार 26 अक्टूबर को चौथा शनिवार व 27 को रविवार का अवकाश रहेगा। इसके बाद धन तेरस, रूप चौदस, दीपावली, भाई दूज का 3 नवंबर तक अवकाश रहेगा। 26 अक्टूबर से 3 नवंबर तक लगातार 9 दिनों के अवकाश के बाद 4 नवंबर सोमवार को कृषि मंडिया खुलेगी। शुक्रवार को मंदसौर कृषि मंडी में करीब 42 हजार बोरी अनाज की आवक हुई। किसान मंडियों में मूंगफली, लहसुन, सोयाबीन, प्याज, चना, मैथी जैसी उपज लेकर पहुंचे।

# चार गोदाम में आग, लाखों का नुकसान

### कड़ी मशक्कत से पाया काबू, कारण अज्ञात

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** शहर के केंट थाना क्षेत्र में जीएसटी कार्यालय के सामने वाली गली में स्थित चार गोदामों में अचानक आग लग गई। आग की वजह से पास-पास मौजूद चार गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर नगर पालिका और अल्कलॉइड फैक्ट्री की चार फायर फायटर मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है।

बताया जा रहा है कि आग सुबह करीब 11 बजे लगी। आग ने आदिनाथ रोड लाइंस, ब्राइट हैंडलूम और जैन प्लाईवुड और राज हार्डवेयर के गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया। इन गोदामो में प्लाईवुड, फॉम के गद्दे, हैंडलूम आइटम और अन्य सामान भरा हुआ था। जिससे आग जल्दी फैल गई और देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। आग का काला धुआं शहर में काफी दूर तक दिखाई दिया। आग की सूचना पर नगर पालिका के साथ-साथ आसपास की फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। चार फायर ब्रिगेड लगातार आग बुझाने के लिए मौके पर मौजूद रहीं। जिनमें दर्जनभर से अधिक पानी के टैंकरों से लगातार पानी की रिफिलिंग की गई। वहीं फायर ब्रिगेड और नगर पालिका कर्मचारियों के साथ आम लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी आग पर काबू पाने में काफी मदद की।

करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चला है। बताया जा रहा है कि 50 बाय 127 फीट में 6 गोदाम बने हुए थे, जिसमें दो गोदाम खाली थे, बाकी चार में सामान भरा हुआ था। मामले की जांच में पुलिस जुटी हुई है। समय रहते आग पर काबू पाए जाने से आसपास मौजूद अन्य गोदाम को भी आग की जद में आने से बचा लिया गया।

इस दौरान मौके पर एडीएम लक्ष्मी गामड़, एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया, एसडीएम ममता खेडे, तहसीलदार संजीव मालवीय, नायब तहसीलदार जागृति जाट, कैंट थाना प्रभारी पुष्पा राठौर, सिटी थाना प्रभारी विकास पटेल सहित बडी संख्या में पुलिस , प्रशासन, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिसकर्मी और आम लोग मौजूद रहे।

#### मामला भरत विश्नोई हत्याकांड का...

## प्रतापगढ़ कोर्ट में कमल राणा को पेश किया

**मंदसौर/प्रतापगढ़, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** अंतरराज्यीय तस्कर कमल राणा को जोधपुर सेंट्रल जैल से कड़ी सुरक्षा के साथ प्रतापगढ़ लाया गया। भरत विश्नोई हत्याकांड में फरार राणा को एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान कोतवाली थाना अधिकारी दीपक बंजारा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

जानकारी के अनुसार 13 साल पहले वर्ष 2011 में जोधपुर निवासी भरत विश्नोई की प्रतापगढ़ में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुख्यात तस्कर कमल सिंह राणा फरार चल रहा था। प्रतापगढ की एससी एसटी कोर्ट ने राणा को फरार घोषित कर रखा था। शुक्रवार को इस मामले में अदालत के आदेश पर प्रोडक्शन वारंट के जरिए राणा को जोधपुर सेंट्रल जैल से कडी सुरक्षा के बीच प्रतापगढ लाया गया और कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान कोतवाली थाना अधिकारी दीपक बंजारा के नेतृत्व में अदालत परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। बता दें कि राजस्थान एटीएस ने महाराष्ट्र के शिरडी से बीती 19 जून 2023 को कमल सिंह राणा को गिरफ्तार किया था। तभी से यह जोधपुर की सेंट्रल जैल में बंद है। राणा पर मध्य प्रदेश और राजस्थान में 40 से ज्यादा लूट, हत्या और तस्करी के मामले दर्ज है। प्रतापगढ के रतांजना थाना क्षेत्र का रहने वाला तस्कर कमल सिंह राणा मादक पदार्थों की तस्करी के लिए कुख्यात है।

# दो पक्षों में मारपीट, पांच लोग घायल

### वायरल हुआ मारपीट का वीडियो

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलोन में खेत पर जाने के रास्ते की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। जिसमें नौबत मारपीट तक पहुंच गई। दोनों पक्षों के कुल 5 लोग घायल हो गए। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने क्रॉस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।**

घटना से संबंधित एक वीडियो भी शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें दोनों पक्ष मारपीट और गाली-गलौज करते नजर आ रहे हैं। सिटी पुलिस ने कृष्ण गोपाल पिता रामप्रताप पाटीदार निवासी पिपलोन की रिपोर्ट पर मंगल पिता नानालाल पाटीदार, मुरली प्रसाद पिता नानालाल, रमाकान्त पिता नानालाल, वासुदेव पिता चांदमल, पिन्टू पिता वासुदेव, सपना पिता वासुदेव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके साथ ही वासुदेव पिता चांदमल की रिपोर्ट पर रामप्रताप पिता सालीग्राम, कृष्णगोपाल पिता रामप्रताप और राहुल पिता कृष्ण गोपाल के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया है।

बताया गया है कि विवाद और मारपीट की सूचना मिलते ही सिटी पुलिस की डायल 100 मौके पर पहुंची और विवाद को शांत करवाया। साथ ही मारपीट में घायल सभी व्यक्तियों को नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। घटना से जुड़े मारपीट के एक वीडियो में एक पक्ष द्वारा मारपीट करने के साथ ही घर के बाहर लगे कैमरे को तोडने और पत्थर फेंकने की घटना भी रिकॉर्ड हुई है। मारपीट की घटना में एक पक्ष के रामप्रसाद पिता शालिग्राम पाटीदार, नीलम पाटीदार और कृष्ण गोपाल पाटीदार घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष के मंगल पाटीदार पिता नानालाल पाटीदार और मुरली प्रसाद पाटीदार घायल हुए हैं। घायलों का इलाज बड़े अस्पताल में जारी है।

## कलेक्टर-एसपी ने लिया सीएम के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं**

**पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नीमच में 29 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया।**

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव नीमच में मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 29 अक्टूबर को देश एवं प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों का वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। कलेक्टर एवं एसपी ने शुक्रवार की शाम को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा शासकीय मेडिकल कॉलेज नीमच में प्रस्तावित मुख्यमंत्री डॉ यादव के कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कॉलेज परिसर में मंच निर्माण, सभास्थल, कॉलेज की कक्षाओं में विद्यार्थियों एवं मेडिकल शिक्षकों से संवाद ,पार्किंग व्यवस्था, हेलीपैड व्यवस्था एवं अन्य तैयारियों का मौके पर अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया, एसडीम डॉ. ममता खेडे, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ अरविंद घनघोरिया, लोक निर्माण ,पीआईयू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी आदि उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री 29 को वर्चुअल माध्यम से तीन मेडिकल कॉलेज एवं पांच नर्सिंग कॉलेज का लोकार्पण करेंगे

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 29 अक्टूबर

को वर्चुअल माध्यम से मंदसौर मेडिकल कॉलेज परिसर में तीन मेडिकल कॉलेज एवं पांच नर्सिंग कॉलेज का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मेडिकल कॉलेज मंदसौर के लोकार्पण कार्यक्रम के साथ ही स्थानिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। स्थानिक कार्यक्रमों के अंतर्गत नवं आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा 525 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करेंगे। प्रदेश के किसानों को किसान सम्मान निधि का हितलाभ प्रदान करेंगे। मंदसौर के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा, उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया, अन्य मंत्रीगण, सांसद गण, विधायक गण, अन्य सभी जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

**लबालब हुआ रामघाट-** नदी में पानी की आवक बढ़ने से गुरुवार रात्रि में कालाभाटा डेम का एक गेट एक इंच खोला गया था। जिससे रामघाट बांध लबालब भर गया। अब रामघाट बांध से भी पानी ओवर फ्लो होकर जा रहा है। जिसे रोकने के लिए कड़ी शटर में मिट्टी डालने का कार्य किया जा रहा है।

# गांवों में अब जन औषधि केंद्र भी चलाएंगी कृषि सहकारी समितियां

**भोपाल, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश की ग्राम पंचायतों में कृषि साख सहकारी समितियां (बी-पैक्स) अब मेडिकल स्टोर यानी जन औषधि केंद्र भी चलाएगी। यहां से ग्रामीणों को बाजार के मुकाबले सस्ती दरों पर कारगर जेनेरिक दवाएं उपलब्ध हो पाएंगी। इस प्रयोग से सहकारी समितियों को आय का नया स्रोत भी मिल जाएगा।

सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए प्रदेश की 275 समितियों का चयन किया गया। इनमें से 270 ने अपना औपचारिक आवेदन विभाग को कर दिया है। इनमें से 55 समितियों को केंद्र संचालन का लाइसेंस जारी किया गया है। 24 समितियों में जन औषधि केंद्र शुरू भी करवा दिए गए हैं।

#### बढ़ रहा जेनेरिक दवाओं का कारोबार...

मध्य प्रदेश में ऐसा प्रयोग पहली बार हो रहा है। उत्तर प्रदेश में कृषि साख सहकारी समितियां वर्ष 2023 में ही दवा कारोबार में उतर चुकी हैं। बता दें, मध्य प्रदेश में जन औषधि केंद्रों में व्यवसाय अच्छा हो रहा है। पिछले पांच वर्ष में यहां 44 करोड रुपये की जेनेरिक दवाएं बिकी हैं।

#### फार्मा कंपनी से होगा अनुबंध...

नियमों के मुताबिक किसी दवा दुकान के संचालन के लिए फार्मासिस्ट होना अनिवार्य है। जिला उपायुक्त सहकारिता छविकांत बाघमारे ने बताया कि कृषि साख सहकारी समितियों के जन औषधि केंद्र का संचालन करवाने के लिए फार्मा कंपनी से अनुबंध किया जाएगा। केंद्र सरकार को इसका प्रस्ताव जाना है। वर्तमान में सीहोर, धार सहित कुछ जिलों में समितियों ने स्थानीय स्तर पर फार्मासिस्ट नियुक्त कर दुकानों का संचालन शुरू किया है।

#### ग्रामीणो को होगा सीधा फायदा...

कृषि साख सहकारी समितियों पर जन औषधि केंद्र खुलने का सबसे अधिक लाभ ग्रामीणो को मिलेगा। वे अपने घर के नजदीक सस्ती दवाइयां प्राप्त कर सकेंगे। वहीं समितियों के स्वावलंबी होने से किसानों को कर्ज और दूसरी सुविधाएं मिलने में आसानी हो जाएगी।

#### साख समितियों को बहुउद्देशीय बनाने की कवायद...

सरकार बेहतर कार्य करने वाली सहकारी साख समितियों को बहु उद्देश्यीय और विविध व्यवसाय करने वाली समिति बनाने की कोशिश कर रही है। सहकारिता विभाग ने 4500 समितियों में से 2000 समितियों को इसके लिए चुना है।

#### यह कारोबार कर रही समितियां...

आर्गेनिक उत्पादों का व्यवसाय करने के 1,454 समितियों ने आवेदन किया है। इन समितियों के यहां आर्गेनिक बीज तैयार करने के लिए जगह भी उपलब्ध है। इस तरह की ज्यादातर समितियां आदिवासी क्षेत्रों में किसानों के साथ मिलकर काम करेंगी।

समितियों को निर्यात कारोबार से जोड़ने का भी प्रस्ताव है। इन समितियों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराई गई है। नेशनल एक्सपोर्ट कोऑपरेटिव सोसायटी की सदस्यता के लिए 1,700 समितियों से आवेदन कराया गया है।

#### इनका कहना...

प्रदेश की कई कृषि साख सहकारी समितियों को अलग-अलग काम करने के लिए कहा गया है। अभी इन समितियों को जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए लाइसेंस दिए जा रहे हैं।

**मनोज कुमार सरियाम,**
**पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मप्र**

विचार-मंथन

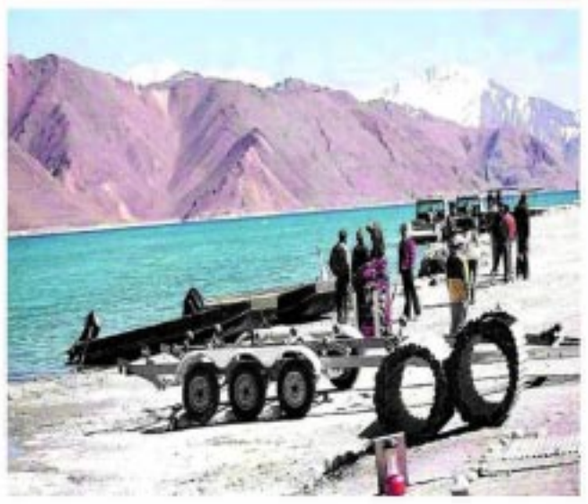

# सीमा विवाद सुलझाने की जगी उम्मीद

जब भी दो देशों के बीच सीमा पर तनाव बना रहता है, तो स्वाभाविक रूप से उनका आर्थिक विकास प्रभावित होता है। इसलिए दुनिया भर में प्रयास किए जाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ तनाव का रिश्ता न रहे। मगर अक्सर वर्चस्ववादी नीतियों के चलते कुछ देशों में परस्पर टकराव बना रहता है। भारत और चीन के बीच भी लंबे समय से रिश्ते इसीलिए मधुर नहीं हो पाते कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी की मर्यादा का पालन नहीं करता। वह अपनी विस्तारवादी नीति पर कायम है। 15 जून, 2020 को चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी के भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया था। दोनों देशों के सैनिकों के बीच टकराव हुआ। उसके बाद चीन ने भारत के हिस्से वाले छह क्षेत्रों में अतिक्रमण कर लिया था। तबसे लगातार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष की स्थिति बनी हुई थी। अच्छी बात है कि दोनों देशों के बीच अब अपने सैनिकों को वापस बुलाने और एलएसी पर 2020 से पहले की स्थिति बहाल करने पर सहमति बन गई है। सोमवार को भारत ने इसकी सूचना जारी की थी, अब चीन ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। चीन ने कहा है कि वह भारत के साथ मिल कर सीमा संबंधी विवाद का हल निकालने का प्रयास करेगा। यह अच्छी बात है कि गलवान में हुए सैन्य संघर्ष के बाद भी चीन बिना किसी हील-हुज्जत के हमेशा बातचीत की मेज पर बैठता रहा। तब से सैन्य अधिकारी स्तर की बीस से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। इसके अलावा विदेश मंत्रियों के स्तर पर भी बातचीत के कई दौर हो चुके हैं। इन्हीं बैठकों और बातचीत का नतीजा है कि चीन ने भारत के छह में से चार क्षेत्रों देपसांग, गलवान, हाटस्प्रिंग और पैंगोंग से अपनी सेना हटा ली थी। मगर अभी भी दौलतबेग ओल्डी और डेमचोक में उसका कब्जा बना हुआ था। भारतीय सैनिक उन क्षेत्रों में गश्त करने नहीं जा सकते थे। ताजा समझौते के अनुसार उन दोनों क्षेत्रों को भी खोल दिया गया है। अब भारतीय सेना अपने तय क्षेत्रों में गश्त कर सकेगी। भारत ने इसे चीन का सकारात्मक रुख बताया है। दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली के लिए उनकी सेनाओं का परस्पर मेलजोल बढ़ना जरूरी है। इस तरह अगर भरोसा बढ़ेगा, तो निश्चय ही सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाना आसान होगा। हालांकि चीन के किसी भी रुख पर दावे के साथ कुछ कहना मुश्किल होता है। पूर्वी लद्दाख में उसके ताजा सकारात्मक रुख से निस्संदेह भारतीय सेना का तनाव काफी कम होगा, मगर चीन कब अपना रुख बदल ले, कहना मुश्किल है। भारत के पड़ोसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में विकास परियोजनाओं के जरिए उसने अपनी मौजूदगी बढ़ाने में काफी हद तक कामयाबी हासिल कर ली है। समय-समय पर वह भारतीय हिस्से वाली जगहों को अपना बता कर उनका नाम बदलता और उन्हें अपने नक्शे में दिखाता रहा है। हिंद महासागर में वह अपनी मौजूदगी बनाए रखने और बढ़ाने का लगातार प्रयास करता देखा जाता है। इसलिए उचित ही भारत कोई बड़ा दावा करने से बच रहा है। मगर यह भारत की बड़ी कामयाबी कही जाएगी कि उसने बहुत सावधानी और संयम के साथ चीन को अतिक्रमण वाली जगहों से वापस लौटने को राजी कर लिया। अगर इसी तरह दोनों देश निरंतर और सकारात्मक रुख के साथ प्रयास करते रहें, तो सीमा विवाद को भी सुलझाने की उम्मीद जगती है।

# राहुल गांधी की विरासत को कितना आगे बढ़ा पाएंगी प्रियंका?

**सुधांशु माहेश्वरी**

प्रियंका गांधी का औपचारिक रूप से चुनावी डेब्यू हो गया। केरल की वायनाड सीट से उनका नामांकन दाखिल हो गया है। इस नामांकन को सिर्फ एक सामान्य राजनीतिक घटना के रूप में नहीं देखा जा सकता है। इससे विपरीत अगर प्रियंका मैदान में उतरी हैं, इसे कांग्रेस की मजबूरी भी माना जाना चाहिए और मजबूती भी। एक तरफ प्रियंका के सामने भाई राहुल गांधी की विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती रहने वाली है तो वहीं दूसरी तरफ केरल में कांग्रेस को फिर मजबूत करने की कवायद भी होगी। प्रियंका गांधी वैसे तो 1999 से ही राजनीति में सक्रिय हो गई थीं, मां सोनिया गांधी के लिए प्रचार करने से लेकर बाद में उत्तर भारत के कई राज्यों में रैलियां करने तक, उनका कद पार्टी में धीरे-धीरे बढ़ता चला गया। 2019 में उन्हें उत्तर प्रदेश का प्रभारी महासचिव नियुक्त कर दिया गया। अब प्रियंका उस समय तो ज्यादा सफल नहीं रहीं, यूपी विधानसभा में भी करारी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन समय और सियासी समीकरणों ने प्रियंका को अब उत्तर से दक्षिण में ला दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि दक्षिण भारत में प्रियंका गांधी का कद कितना बड़ा हो सकता है? प्रियंका को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? सवाल यह भी उठना चाहिए कि क्या कांग्रेस को प्रियंका से दक्षिण में कोई फायदा होने वाला है? इस समय एक तथ्य हर जगह चल रहा है- दक्षिण भारत गांधी परिवार के लिए काफी शुभ रहा है। सोनिया, राहुल से लेकर इंदिरा गांधी तक को मुश्किल समय में दक्षिण भारत ने ही जिताकर संसद तक पहुंचाया है। इस लिहाज से जरूर दक्षिण कांग्रेस के लिए सुरक्षित जगह है। लेकिन इसी बात का दूसरा पहलू यह है कि दक्षिण भारत की फील्ड प्रियंका गांधी के लिए एकदम नई है। प्रियंका की राजनीति जितनी भी सक्रिय रही है, उसमें ज्यादातर वक्त उत्तर भारत में बीता है। वहीं दक्षिण की राजनीति पूरी तरह अलग ढर्रे पर चलती है, यहां धर्म से ज्यादा भाषा का खेल, जातियों से ज्यादा भावनात्मक मुद्दे तूल पकड़ लेते हैं। ऐसे में खुद को यहां की राजनीति में ढालना प्रियंका के लिए काफी मुश्किल रहने वाला है। अब अगर कांग्रेस ने दक्षिण में प्रियंका गांधी को भेजने का फैसला किया है, उनसे उम्मीदें भी उतनी ज्यादा ही रहने वाली है। लेकिन प्रियंका को यह समझना पड़ेगा कि उन्हें मुकाबला अब किसी एक पार्टी से नहीं करना है बल्कि केरल में उन्हें लेफ्ट के साथ बीजेपी की टक्कर का भी सामना करना होगा। वैसे तो लेफ्ट का अस्तित्व कई राज्यों में समाप्ति की ओर है, लेकिन केरल एक ऐसा राज्य है जहां पर उसकी सरकार भी है और अभी एक मजबूत किला भी माना जा सकता है। ऐसे में लेफ्ट को रोकना प्रियंका के लिए जरूरी होगा। इसके ऊपर बीजेपी जिस तरह से केरल में आगे बढ़ रही है, इससे भी कांग्रेस परेशान है। यह नहीं भूलना चाहिए कि बीजेपी तो वैसे भी केरल में मुकाबले को लेफ्ट बनाम भाजपा का बनाना चाहती है, ऐसे में वो भी कांग्रेस को ही साइडलाइन करने की कोशिश में है। इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी केरल की पहली बार एक सीट जीतने में सफल रही है, विधानसभा चुनाव में भी उसका वोट शेयर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बीजेपी के विस्तार को रोकना अब प्रियंका के लिए जरूरी रहने वाला है। उन्हें सिर्फ वायनाड तक अपना ध्यान केंद्रित नहीं रखना है बल्कि पूरे केरल में अपने चेहरे के दम पर कांग्रेस को फिर मजबूत करना है। लोकसभा चुनाव में 20 में से 18 सीटें जीतकर कांग्रेस ने केरल में अपने लिए एक मजबूत पिच तैयार कर ली है। दूसरी चुनौती अब तीन सीटों का उपचुनाव और फिर 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव है। केरल में वायनाड के अलावा पलक्कड़ और चेलाक्कारा सीट पर भी उपचुनाव हो रहा है। ऐसे में प्रियंका से उम्मीद सिर्फ वायनाड जीतने की नहीं है, बल्कि उन्हें कांग्रेस के लिए इन दोनों सीटों को भी जीतना होगा। इन सीटों की जीत ही तय करेगी कि 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए प्रियंका कितनी तैयार हैं। खबर तो ऐसी भी है कि अगर प्रियंका की लोकप्रियता लोगों के बीच में पैठ बना लेती है तो उन्हें केरल का इनचार्ज तक बनाया जा सकता है। उस स्थिति में पूरी तरह राहुल नहीं प्रियंका गांधी के चेहरे पर केरल का चुनाव लड़ा जा सकता है। इस राज्य में पिछले 10 सालों से लेफ्ट की सरकार है, ऐसे में किस तरह से प्रियंका उस 'लाल' किले को भेदती हैं, यह दिलचस्प रहेगा। प्रियंका गांधी को अगर ऐसा लग रहा हो कि उन्हें सिर्फ केरल में ही अब चुनौतियों का सामना करना है, तो ऐसा नहीं रहने वाला है। अगर वे चुनाव जीत जाती हैं, उस स्थिति में उनके परिवार के तीन सबसे प्रमुख चेहरे संसद में एक साथ होंगे। एक तरफ सोनिया गांधी राज्यसभा से बैटिंग करेंगी तो वहीं दूसरी तरफ राहुल और प्रियंका साथ में लोकसभा में दिखाई देंगे। बीजेपी की नजरों में तो यह क्लासिक परिवारवाद का उदाहरण रहने वाला है, ऐसे में निशाना भी वैसे ही साधा जाएगा। इसके रूप यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम मोदी ने राजनीति में 1 लाख ऐसे युवाओं को लाने का ऐलान किया है जिनका किसी भी सियासी परिवार से कोई ताल्लुक नहीं है। ऐसे में पार्टी दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पार्टी तो नए चेहरों को मौका दे रही है तो दूसरी सिर्फ अपने हित साधने के लिए एक ही परिवार को आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस को पहले भी इस नेरेटिव को नुकसान हो चुका है। वैसे प्रियंका गांधी के सामने सिर्फ चुनौतियां नहीं हैं, बल्कि कहना चाहिए कई अवसर भी अब उनके लिए बनने जा रहे हैं। समझने वाली बात यह है कि कांग्रेस ने काफी सूझ-बूझ दिखाते हुए प्रियंका को दक्षिण में भेजने का फैसला किया है। जानकार मानते हैं कि इसके जरिए पार्टी ने काफी आसानी से उत्तर-दक्षिण वाला बैलेंस साध लिया है। अब अगर राहुल गांधी उत्तर भारत में ज्यादा सक्रिय दिखाई देंगे तो वही दूसरी तरफ प्रियंक दक्षिण भारत में पार्टी को मजबूत करेंगी। यहां तक कहा जाता है कि दोनों भाई-बहनों के निजी रिश्ते जितने मजबूत हैं, उनके समर्थक एक दूसरे को उतना पसंद नहीं करते हैं। इस वजह से भी माना जा रहा है कि पार्टी के दो अलग-अलग धड़ों को बिल्कुल ही अलग-अलग क्षेत्र की कमान सौंप दी गई है। इससे दोनों ही तरफ विस्तार भी होगा और आपसी तनातनी से भी बचा जा सकेगा।

# स्वप्नों की दुनिया की अनोखी है कहानी...

**रश्मि वैभव गर्ग**

हमारे इस जीवन का एक बड़ा हिस्सा स्वप्नों में ही समाया हुआ है, जो एक यात्रा है और हम इसमें एक भटके हुए यायावर हैं। हम अपनी आंखों में अपने सपनों की तलाश करते हैं, सजाते हैं, लेकिन कई बार वह तलाश कभी पूरी नहीं होती। जीवन में कोई एक मंजिल तय नहीं हो पाती और आंखें दूसरी मंजिल के सपने देखने लगती हैं। यह प्रकृति की एक जटिल संरचना है, एक अबूझ चक्र है, लेकिन शायद यही जीवन है। कहा जाता है कि वे आंखें ही क्या, जो सपने न देखें। दरअसल, यह कुछ आधी-अधूरी बात लगती है, क्योंकि सपने केवल नहीं देखने का मामला नहीं है, बल्कि इनका दायरा बहुत बड़ा है और जीवन रहने तक यह असीम है। प्रचलित और प्रत्यक्ष परिभाषा में आंखों को जिस रूप में देखा जाता है, उसके मुताबिक सोचें तो सपने इन आंखों पर निर्भर नहीं हैं। जो लोग दृष्टिबाधित होते हैं, सपने वे भी देखते हैं और इस अर्थ में स्वप्न एक सजीला शब्द है, जिसमें कितना कुछ निहित है! सच यह है कि सपनों का तंत्र विचार से जुड़ा होता है, इसलिए जो भी मनुष्य जीवित है, वह सपने देखता है। यह संभव है कि वास्तविक जीवन में उपजी जरूरतें कई बार सपने बन रह जाएं। मगर इच्छाओं में बदल जाने वाले सपने कई बार जीवन का अहसास कराते हैं। समय के साथ मनुष्य के समाज का स्वरूप ठहरा नहीं रहा है, बल्कि विकसित हुआ है। उसमें सपनों को दुनिया में व्यक्ति के भीतर जिजीविषा भरने का एक श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। शायद इसलिए कि जो इच्छाएं वास्तविक जीवन में पूरी होनी संभव नहीं होती, उन्हें कई बार सपनों में पूरा होते देख लिया जाता है। इसे आभासी सुख की तरह माना जा सकता है, लेकिन इन सपनों का महत्त्व इस रूप में देखा जाता रहा है कि ये जीवन यात्रा में कमजोर क्षणों में ऊर्जा भरने के काम आते हैं। नींद के सपनों को छोड़ दिया जाए तो खुली आंखों से देखे जाने वाले सपनों ने संसार का जीवन बदल दिया है। कई लोग इस मुश्किल से दो-चार होते हैं कि उन्हें स्वप्न सोने नहीं देते, लेकिन दूसरी ओर नींद आती है, तो सपने भी आते हैं। समस्या तब खड़ी होती है, जब कोई ऐसा सपना आंखों में तैरने लगे, जिनके बारे में पता होता है कि उसके पूरा होने की कोई उम्मीद नहीं होती। तपती रेत की तरह जीवन और उसमें मृगमरीचिका की तरह के सपनों के रेगिस्तान के हम सभी पथिक हैं। शायद कभी सपने टूट कर बिखर जाएं तो संभव है, आंखें कुछ समय के लिए पथरा जाएं, यानी सोचने-समझने की प्रक्रिया में थोड़ी स्तब्धता आ जाए, लेकिन संसार में वीतरागी बन कर जीवन यात्रा पूरी नहीं होती। स्वप्नों के आकाश में सूनी आंखों में चमकते तारे उतरते हैं, मानो गहन अंधकार में कोई जुगनू का प्रकाश हुआ हो। जीवन में ऐसा भी समय आता है जब नकारात्मकता का बोध हावी हो जाता है। उस दौर में स्वप्नों की भी चाह नहीं रहती, जीवन उदासीन-सा लगता है, लेकिन फिर एक अपरिचित उम्मीद स्वप्न किरण की तरह मन के सूने द्वार पर दस्तक देती है और जीवन ज्योति फिर से जीवित हो उठती है। जीवन की पीड़ा में सपने मरुस्थल में जल के मानिंद होते हैं। हम उसी मृगतृष्णा में ताउम्र चलते रहते हैं। यही जीवन चक्र है। जीवन गतिशील है, वह कभी ठहरता नहीं। ठहरना इसकी प्रकृति में है भी नहीं। स्वप्न पूरे हों या न हों, स्वप्नों का आकाश हमेशा आंखों में जीवित रहना चाहिए, जिसमें ब्रह्मांड की तमाम आकाशगंगाओं का समावेश हो। कभी मनुष्य जीवन के दंशों से थका हारा स्वप्नों की चाह खो बैठता है और मृत्यु का आलिंगन करना चाहता है, तो ऐसा किसी बड़े स्वप्न के टूटने से भी हो सकता है। ऐसे समय में धैर्य रखने की जरूरत सबसे ज्यादा होती है। स्वप्नों के टूटने से जीवन की कश्ती डगमगा सकती है, लेकिन फिर धैर्य का मांझी नए स्वप्न दिखाता है, जिसमें हकीकत का स्पर्श होता है। संभव है कि कभी किसी बड़े आघात से जीवन की बगिया मुरझाने लगे, लेकिन अपने मन में आस का दीप सदैव ही प्रज्वलित रखना चाहिए, ताकि जरा भी निराशा मन को न घेरे। स्वप्न कभी अधूरे रह जा सकते हैं, क्योंकि संसार का संचालन केवल हमारे हाथों में नहीं है। हम अपने लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और हमारी सीमा भी हो सकती है। मुमकिन है कि कभी अंधियारा इतना गहन हो कि दीप न दिखाई दे, लेकिन आस की जीवन-ज्योति जलानी ही चाहिए। हरिवंश राय 'बच्चन' की पंक्तियां हैं- 'जो बीत गई, सो बात गई/ सूखे पत्तों पर कब मधुबन शोक मानता है।' यह सच भी है कि एक तारा अगर टूट जाए तो इससे फलक सूना नहीं हो जाता। इसी तरह किसी स्वप्न के टूटने से जीवन रुक नहीं जाता। उम्मीदों का आकाश सदैव बाहें पसारे खड़ा रहता है। बस जरूरत होती है हौसले को बनाए रखने की। जीवन में खत्म होने जैसा कुछ नहीं होता है। हर अंत एक नई शुरुआत है। एक मंजिल हासिल न हो, तो नए रास्ते खुलते हैं। बस जीवन से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। स्वप्नों की चाह ही जीवन है। जीवन का कोई पड़ाव हो, सपने सजते रहने चाहिए।

# धारा 6ए पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का क्या है मतलब, समझिए

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए बहुमत से असम समझौते की वैधता पर मुहर लगाई। लेकिन उसने यह भी बताया कि पेचीदा राजनीतिक मसलों को हल करने के लिए अदालत के पास आना हमेशा मुनासिब नहीं होता।

**कैसा हो कानून :** देश को नए नागरिकता कानून की जरूरत है। यह कानून इस सिद्धांत पर आधारित हो कि देश में जन्मा हर व्यक्ति भारतीय नागरिक है, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो। संविधान सभा द्वारा अपनाए गए इस सिद्धांत को 1955 के नागरिकता अधिनियम में शामिल किया गया था। लेकिन 1985, 1986, 2003 और 2019 में नागरिकता अधिनियम में किए गए संशोधन इस सिद्धांत की व्यापकता को कम करते गए।

**इन्क्लूसिव प्रिंसिपल :** भारत ऐसा विविधतापूर्ण देश है, जहां अलग-अलग धार्मिक, भाषाई, क्षेत्रीय और जातीय पहचान वाले लोग रहते हैं। ऐसे में नागरिकता का निर्धारण करते समय किसी भी रूप में समावेशी सिद्धांत को कमजोर करना देश का अहित कर सकता है और इसके हिंसक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। समावेशी नागरिकता सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए जरूरी है, जो अर्थव्यवस्था के फलने-फूलने की एक अनिवार्य शर्त है।

**दो सिद्धांत :** इस संबंध में दुनिया भर में दो सिद्धांत प्रचलित हैं- 'जूस सोली' और 'जूस सैंगुइनिस'। लैटिन के इन शब्दों का क्रमशः मतलब है 'मिट्टी का अधिकार' और 'रक्त का अधिकार'। अमेरिका पहले सिद्धांत के आधार पर अपने यहां जन्म लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अधिकार के रूप में नागरिकता देता है। इसके विपरीत, जर्मनी दूसरे सिद्धांत के आधार पर जर्मन वंश के लोगों को जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में नागरिकता प्रदान करता है।

**संशोधन से संकीर्णता :** 1985 के संशोधन ने नागरिकता अधिनियम 1955 में धारा 6ए को जोड़ा। इससे 1 जनवरी 1966 से पहले बांग्लादेश से असम आने वाले सभी लोगों को बिना शर्त नागरिकता और अधिकार मिल गए, जबकि 1 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1971 तक आने वालों को सशर्त नागरिकता के अधिकार मिले। जो लोग 1966 और 1971 के बीच भारत आए, उन्हें नागरिकता मिल सकती थी, लेकिन वोट देने का अधिकार नागरिकता पाने के 10 साल बाद ही मिल सकता था। 1986 में कानून में संशोधन करके कहा गया कि जन्म के आधार पर नागरिकता का अधिकार बिना शर्त नहीं है। 1 जुलाई, 1987 के बाद पैदा हुए लोगों के नागरिकता पाने के लिए उनके माता-पिता में से किसी एक का भारतीय होना जरूरी हो गया था। 2003 के संशोधन ने जन्म से नागरिकता के दायरे को और कम कर दिया। अब माता-पिता में से किसी एक का भारतीय मूल का होना पर्याप्त नहीं था। माता-पिता में से कोई भी अवैध आप्रवासी नहीं हो सकते थे। 2019 का नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) इसमें एक स्पष्ट धार्मिक तत्व ले आया। इसमें मुसलमानों को उन धर्मों से बाहर रखा गया, जिनके सदस्य भारत के पड़ोसी देशों में उत्पीड़न से बचने के लिए शीघ्र भारतीय नागरिकता प्राप्त कर सकते थे। भारतीय नागरिकता के दायरे को धीरे-धीरे कम करते जाना सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अजेंडे का हिस्सा है। संघ परिवार का लक्ष्य भारत में हिंदुओं को प्राथमिकता देना और सभी गैर-हिंदुओं को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना है।

# पोस्टकार्ड अभियान को दिया अल्प विराम, दीपावली बाद व्यापक होगा अभियान

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर नागरिक मंच के तत्वावधान में संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत चल रहे पोस्टकार्ड अभियान को शुक्रवार को 24 वें दिन दीपावली पर्व श्रृंखला को दृष्टिगत रख कर अल्प विराम दिया गया। 2 अक्टूबर से यह अभियान आरंभ हुआ प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 तक गांधी चौराहा पर यह अभियान चलाया गया।मंदसौर का यह पहला ऐसा जन आंदोलन है जिसमें आमजन स्वयंसेवी संगठन सेवाभावी संस्थाएं सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता तथा गणमान्य जन स्वेच्छा से सम्मिलित हुए और सभी ने मंदसौर को संभाग बनाने की मांग का पुरजोर समर्थन किया ,मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम पोस्टकार्ड लिखे और आम जनों को भी पोस्टकार्ड लिखने के लिए प्रेरित किया गया।

24 वें दिवस प्रदेश के पूर्व मंत्री और मंदसौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नरेंद्र नाहटा पोस्टकार्ड अभियान में उपस्थित हुए और आपने यहां संबोधित करते हुए कहा कि 1998 में तत्कालीन जिला सरकार में प्रभारी मंत्री के रूप में मेरे द्वारा मंदसौर को संभाग बनाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया था। मंदसौर को संभाग बनाने की मांग कोई नई नहीं है मंदसौर में अनेक क्षमताएं हैं और मंदसौर के अनेक अधिकार भी हैं। उनमें से संभाग बनाना भी मंदसौर का एक अधिकार है मुझे इस बात की खुशी है कि मेरे कार्यकाल में मंदसौर को संभाग बनाने के प्रस्ताव के बाद पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने भी अविभाजित मंदसौर जिले के सभी विधायकों को साथ लेकर इस प्रस्ताव को आगे बढाया। श्री नाहटा ने कहा कि मैं बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा मंदसौर नागरिक मंच को जिन्होंने जनता को जोड़कर यहां इस मांग को प्रभावी ढंग से उठाया है। पूर्व विधायक और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने की जन भावना को अभिव्यक्ति देते हुए मंदसौर नागरिक मंच ने निरंतर समर्पित भाव से जो यह अभियान शुरू किया है वास्तव में इसमें जन-जन की भावना जुडी है और पूर्णतया यह जनता और नागरिकों का जन आंदोलन निश्चित रूप से मंदसौर को संभाग बनाने की मांग को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। आपने कहा कि मंदसौर नीमच जिलों के सभी विधायकों के साथ मंदसौर को संभाग बनाने का प्रस्ताव तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विधानसभा में हमने सौंपा था। उस प्रस्ताव की ड्राफ्टिंग करने का दायित्व भी मुझे ही दिया गया था विधानसभा भवन में ही बैठकर हमने मंदसौर को संभाग बनाने के प्रस्ताव की ड्राफ्टिंग तैयार की और दोनों जिलों के

सभी विधायकों ने सम्मिलित रूप से यह प्रस्ताव तत्कालीन मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखा।श्री सिसोदिया ने कहा कि हम रतलाम को संभाग बनाने का विरोध नहीं कर रहे हैं किंतु भविष्य में जिलों के पुनर्गठन परिसीमन में यदि गरोठ और जावरा जिले बनते हैं तो मंदसौर हर दृष्टि से संभाग मुख्यालय बनने के लिए उपयुक्त रहेगा। लगातार 24 दिनों तक मंदसौर की जनता ने संभाग बनाने की मांग पोस्टकार्ड अभियान के माध्यम से व्यक्त की है यह बडा ही सुखद अनुभव है कि मंदसौर क्षेत्र की जनता स्वेच्छा से इस आंदोलन से जुडी।

आरंभ में मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने की हमारी मांग को नीमच और जावरा क्षेत्र से भी पूरा समर्थन मिलेगा पिछले दिनों नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार से मंदसौर नागरिक मंच के प्रतिनिधि के रूप में ब्रजेश जोशी, डॉ. भानु प्रताप सिंह सिसोदिया और मेरी मुलाकात हुई उन्होंने इस अभियान पर अपनी सकारात्मक सोच प्रदर्शित करते हुए कहा है दीपावली के बाद मनासा और जावद के भी माननीय विधायकों माधव मारू और ओमप्रकाश सकलेचा से चर्चा कर और नीमच जिले के भी सामाजिक संगठनों और जनता को जोड़कर इस अभियान को सुदृढ किया जाएगा। इसी प्रकार जावरा के जागरूक नागरिकों ने भी भविष्य में जावरा जिला बनता है तो मंदसौर को संभाग मुख्यालय बनाने की अपनी भावना व्यक्त की है इस विषय में जावरा विधायक डॉ राजेंद्र पांडे से भी चर्चा हुई है उन्होंने भी मंदसौर को संभाग बनाने के आंदोलन में सहयोग देने का आश्वासन दिया है। मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक ब्रजेश जोशी ने इस अवसर पर कहा कि 2 अक्टूबर से आरंभ हुए पोस्टकार्ड अभियान में 25 अक्टूबर तक निरंतर 24 वें दिन तक मंदसौर नगर व क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं स्वयंसेवी संगठन और आम जनों ने इस आंदोलन को पूरा समर्थन दिया। श्री जोशी ने कहा कि मंदसौर नागरिक मंच एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां सभी नागरिक मंदसौर के हक की आवाज उठा सकते हैं। हमें खुशी है कि जो दो पूर्व जनप्रतिनिधि इस अभियान में आज सम्मिलित हुए हैं इन्होंने भी अपने जनप्रतिनिधित्व के कार्यकाल में मंदसौर को संभाग बनाने की प्रभावी पहल की। श्री नरेंद्र नाहटा जब जिले के प्रभारी मंत्री थे तब आपने यह प्रस्ताव शासन को भिजवाया और यशपाल सिंह सिसोदिया ने जागरूक विधायक की भूमिका निभाते हुए दोनों जिलों के विधायकों को शामिल कर यह प्रस्ताव शासन को तत्समय प्रेषित किया था। श्री जोशी ने बताया कि इन 24 दिनों में लगभग 80 संगठनों संस्थाओं और विभिन्न सामाजिक इकाइयों के प्रतिनिधि पोस्टकार्ड अभियान में शामिल हुए।

पोस्टकार्ड अभियान स्थल गांधी चौराहे पर प्रतिदिन अपनी सेवा देने वाले अजीजुल्लाह खान खालिद श्रीमती सीमा चोरड़िया, बंसीलाल टॉक और राधेश्याम मालवीय का दुपट्टा ओढा कर सम्मान भी किया गया। 24 में दिवस राजपूत समाज के सर्वश्री अजय सिंह चौहान, भोपाल सिंह सिसोदिया, भूपेंद्र सिंह राठौड हनुमत सिंह राणावत डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, निर्मल सिंह सिसोदिया, विजय सिंह राव, महेंद्र सिंह भाटी ,अवध सिंह चंद्रावत, बीएस सिसोदिया, राजीव प्रताप सिंह राणावत, नेपाल सिंह सिसोदिया, दिग्विजय सिंह सिसोदिया, पुष्पेंद्र सिंह राठौड, उपस्थित थे। संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार प्रदीप भाटी ने माना।

# विधायक डंग ने 22 स्कूलों में 875 विद्यार्थियों को साइकिल वितरण की

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग ने सुवासरा क्षेत्र के 22 स्कूलों में 875 विद्यार्थियों को साइकिल वितरण की गई। विधायक श्री डंग ने श्री राम बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय सीतामऊ, नागखजूरी, साखतली, सेदरामाता, मानपुरा, तितरोद, खेजडिया, दलावदा, दीपाखेडा, महुआ, नाहरगढ, कचनारा,झलारा, सुठी, क्यामपुर, ऐरा, मोतीपुरा, नाटाराम, बिश्रिया एवं रणायरा स्कूलों में विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरण की। छात्रों को माला पहनाकर साइकिल वितरण की गई। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूल प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद थे।

# सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों का सम्मान समारोह 28 को

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला पेंशन कार्यालय नीमच द्वारा माह अगस्त एवं सितम्बर 2024 में सेवा निवृत्त होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों का सम्मान समारोह कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा की उपस्थिति में 28 अक्टूबर 2024 को शाम 4 बजे कलेक्टर सभाकक्ष नीमच में आयोजित किया जा रहा है। जिला पेंशन अधिकारी ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को सेवा निवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों के साथ सम्मान समारोह में उपस्थित होने का आगृह किया है।

# असत्य व भ्रामक जानकारी देकर श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी को हटवाया

## पुजारी को पुन: रखने हेतु क्षेत्रवासियों, दर्शनार्थियों व समाजजनों ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन, विधायक को भी कराया अवगत

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति एवं जनकूपुरा क्षेत्रवासियों व मंदिर दर्शनार्थियों ने ने 25 अक्टूबर शुक्रवार को कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल के नाम ज्ञापन देकर जनकूपुरा गणपति चौक स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी प्रमोद खिरे को पुन: पुजारी पद पर रखे जाने का निवेदन किया। साथ ही विधायक श्री विपिन जैन से मिलकर उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया।

जनकूपुरा क्षेत्रवासियों ने कहा कि लक्ष्मीनारायण मंदिर लगभग 200-300 वर्ष पुराना है। इस मंदिर के सामने मंदिर की 4 चुकाने सामने की ओर तथा 2 दुकाने मदारपुरा जाने वाले रास्ते पर एवं 1 दुकान पिछे लखारा चौक में स्थित है जो दुकाने भी लगभग 100 से 150 वर्ष पुरानी बनी हुई है जो जैसी पुरानी बनी हुई थी वैसी स्थिति में है। दुकानों का कोई भी अतिक्रमण पुजारी या इनमें स्थित किरायेदारों ने नहीं किया है। पुजारी प्रमोद राव नियमित रूप से श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में विराजमान भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। मंदिर की अच्छे से साफ-सफाई रखते हैं। सभी दर्शनार्थियों से भी उनका व्यवहार अच्छा है। इसके अलावा वर्षभर में मंदिर में सभी त्यौहारों पर आयोजन भी करते हैं। मंदिर की रखरखाव, रंगाई-पुताई या छोटी-मोटी टूट फूट होने पर भी यह कार्य पुजारी द्वारा ही कराया जाता है। कभी भी किसी भी दर्शनार्थी या हम पडोसियों को कोई शिकायत मंदिर के सम्बंध में पूजारी प्रमोद राव खिरे से नहीं रही है। प्रमोद राय खिरे से पूर्व इनके भाई मंदिर के पूजारी रहे हैं तथा उनसे पूर्व इनके पिता गणपतराव खिरे पूजारी रहे है। पीढी-दर-पीढी इनके परिवार के द्वारा पूजा अर्चना की जा रही है। आज तक मंदिर के हित में इनके द्वारा कार्य किया गया है। मंदिर के विपरीत कभी कोई कार्य नहीं किया है। शिकायतकर्ता कमलेश जैन ने दुर्भावनावश अपनी निजी अपने ससुरालपक्ष की दुश्मनी निकालने के लिये असत्य शिकायत की गई है। क्षेत्रवासी एवं मंदिर के दर्शनार्थियों ने निवेदन किया कि श्री प्रमोद राव खिरे को पूजारी पद से नहीं हटाया जाये तथा उनके खिलाफ जो आदेश पारित किया गया है वह तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जावे।

वही मंदसौर महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति ने कलेक्टर से निवेदन किया कि प्रमोद खिरे वर्तमान में श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर जनकुपुरा मन्दसौर के पूजारी होकर नियमित रूप से पूजा अर्चना करते चले आ रहे है. तथा इनके पूर्व इनके परिवार के सदस्य ही इस मन्दिर की पूजा अर्चना वर्षों से करते चले आ रहे है। प्रमोद खिरे जब से मन्दिर के पूजारी बने है, तब से उनके द्वारा नियमित रूप से पूजा की जा रही है, तथा सदैव वह मन्दिर हित में कार्य करते रहे है. तथा उनके परिवार ने इस मन्दिर की व इसकी दुकानों की हमेशा रक्षा की है, जिस कमलेश जैन ने प्रमोद खिरे के खिलाफ झूठी शिकायत की है, इसने पूर्व में भी मन्दिर की दुकाने नगरपालिका के माध्यम से गिराने की असंभव कोशिश करते हुए झूठी शिकायते की थी, तब श्री प्रमोद खिरे ने स्वयं लक्ष्मीनारायण मन्दिर की ओर से न्यायालय में जाकर दावा भी लगाया, तथा हमेशा से मन्दिर की सम्पत्ति की रक्षा की हैं। शिकायतकर्ता कमलेश जैन पूजारी श्री प्रमोद खिरे से अपनी अवैध मांग मंगवाना चाहता था तथा अपनी जातिगत दुश्मनी के लियें मन्दिर के किरायेदार प्रदीप जैन से दुकान खाली करवाने के लियें श्री प्रमोद खिरे पर दबाव बनाकर उन्हे लोभ लालच दिया, किन्तु वे उसके किसी भी लोभ लालच में नहीं आये, इस कारण से उसने श्री प्रमोद खिरे के खिलाफ झूठी शिकायते शुरू कर दी. और आये दिन सोशल मिडिया पर झूठी झूठी खबरे फैलाकर उनकी छवि बिगाड रहा है, जिसके कारण वे मानसिक टेंशन में भी आ गये तथा बीमार भी रहने लग गये है। समिति ने श्री प्रमोद खिरे के खिलाफ पूजारी पद से पर पुन: स्थापित किये जाने की मांग की। इस अवसर पर मंदसौर महाराष्ट्र समाज उन्नयन समिति के सचिव अनील झांसीवाले, चित्रा पोल, दिनेश कोराऩे, सुरेश कुलकर्णी, वर्षा हुपेले, पूजा झांसीवाले, गिरीश डमडरे, प्रदीप झांसीवाले, क्षेत्रवासी व दर्शनार्थी पं. दिलीप शर्मा, पं. अरूण शर्मा, क्षितिज पुरोहित, क्षेत्रीय पार्षद सुनील बंसल, पार्षद प्रतिनिधि अनूप माहेश्वरी, अशोक मंडोवरा, अंकित अग्रवाल, सुमित दुग्गड, मुकेश नाहर, गोपाल मण्डोवरा, पंकज पोरवाल, वैभव जैन, राजेश डोसी, मंगल पाण्ड्ये, नितिन पामेचा, मुकेश अग्रवाल, अर्जुनसिंह चौधरी, देवेन्द्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, उंक्कार भाटी, जितेन्द्र जैन घडीवाला, रतन पुरोहित, सुनील सिखवाल, ललित सिखवाल, भरत सोनी, अजय मित्तल, गौरव खिरे, गौरव जैन, सोहनलाल सिखवाल सहित बडी संख्या में समिति सदस्य, क्षेत्रवासी व मंदिर दर्शनार्थी उपस्थित थे।

## जाबाली कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बागाखेड़ी, हाड़ी पिपल्या, सिखेड़ी व परवलिया रही विजेता, फाईनल कल

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** माँ जोगणिया माता सेवा समिति प्रवासी समुदाय मालवा प्रांत के तत्वावधान में नूतन क्रिकेट स्टेडियम में मां जोगणिया माता जाबालि कप 2024 क्रिकेट टूर्नामेंट के छठें दिवस बागाखेडी, हाडी पिपल्या, सिखेडी व परवलिया विजेता रही। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला कल 27 अक्टूबर को नूतन स्टेडियम में खेला जाएगा।

षष्म दिवस अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य (संघ) रामचन्द्र पाण्डेय, प्रांतीय घोष प्रमुख (रतलाम) माधव काकरणी, सरपंच प्रकाश सौलंकी, संघ चालक इंदौर बैंक अधिकारी गिरीश केलकर, महंत जितेन्द्रदासजी महाराज सीतामऊ, प्रांत सहसंयोजक चेनराम जैन, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौर, वरिष्ठपत्रकार संजय लोढा, युवा पत्रकार ललित पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश गुर्जर, महेन्द्र परिहार, अर्जुन सोनी, वरदीचंद कुमावत, दिनेश पाण्डेय, कन्हैयालाल सोनगरा, हिम्मत डांगी, महेश जुनवाल, छोटू भाई, नाहरूखां मेव, अयुब भाई, राजू कुमावत, अशोक पालीवाल, पिंकेश चोरडिया ट्रस्ट सचिव घुमंतु उत्थान समिति मालवा प्रांत, अशोक कर्नावट, भारत दाहिमा, इन्दुसिह मोहनिया, सूरजमल दाहिमा, जगदीश चंदेल, स्वदेशी जागरण मंच के अंकुश पालीवाल, दिलीप व्यास, राजेश चौहान, अभिजीतसिंह मण्डलोई, श्यामसिंह चौहान, राकेश दाहिमा, विक्रम बग्गड, कमलसिंह चौहान, जसवंत टेलर, लखन व्यास, दरबारसिंह मण्डलोई, लक्ष्मणसिंह राजा, आशीष जादौन, राजेश पालीवाल, सुमनसिंह कुशवाल, नगेन्द्र क्षोत्रीय आदि उपस्थित रहे। अतिथियों ने माँ जोगणिया माता एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया। सभी अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। आयोजन के सूत्रधार रविप्रताप सिंह बुंदेला ने बताया कि फाइनल मुकाबला 27 अक्टूबर रविवार को दोप. 3 बजे खेला जाएगा। जो भी टीम विजेता होगी उनको 31 हजार रू. का नगद पुरस्कार, चमचमाती विजेता ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 11 हजार रू. का नगद पुरस्कार व चमचमाती ट्रॉफी, मैन ऑफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक सहित अन्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा। साथ ही टूर्नामेंट में सहयोगियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

सभी अतिथियों का स्वागत मोती की माला पहनाकर प्रांत टोली विनोद मेहता, रूपदेव सिसोदिया, वासुदेव धनगर, राधेश्याम लोहार, देवीलाल सुनार्थी, बंटी दायमा, मुकेश दायमा, विजय शर्मा, बनवारी जी, नवीन खोखर, ब्रजेश सेन मारोठिया ने किया। आज के मैच के पिच क्यूरेटर निलेश खोखर लक्की, अंपायर वेदांत व्यास, केशव मादलीय अब्बू अमन स्कोरर मिहिर सोलंकी रिदम नाहटा व रहे। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम लोहार सीतामऊ ने किया एवं आभार विनोद मेहता ने माना।

## स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत व्याख्यान सम्पन्न

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार द्वारा भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की भारत के एकीकरण में भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया। जीवन परिचय देते हुए बताया कि इनका जन्म एक ग्रामीण परिवार में गुजरात के खेडा जिले करमसर गांव में 31 अक्टूबर 1875 में हुआ था। आपकी शिक्षा दीक्षा के संबध में विस्तार से प्रकाश डाला। इनके पिता द्वारा सन् 1857 की क्रांति में बढचढकर भाग लिया देशभक्ति एवं देश के प्रति पटेल द्वारा पूर्ण समर्पण से आगे बढे.एवं दक्षिणा अफ्रीका में 1917 गांधीजी के सम्पर्क में आये और स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भाग लिया। 1918 में आंदोलन में विमानों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये। 1928 में बाढद्रोली आंदोलन में अंग्रेज झुके और तभी से इनका नाम सरदार पडा। भारत छोडो आंदोलन में इनका सफल नेतृत्व रहा और भारत स्वतंत्रता हुआ। तत्कालीन समय में देश की रियासतों से बंटा हुआ था। पूरे देश की सभी रियासतों को मिलाने का कार्य किया भारत के गृहमंत्री/उपप्रधानमंत्री होने के दायित्व का निर्वहन करते हुए यह उनका अखण्ड भारत के लिए महत्वपूर्ण योगदान था। और यही से उन्हें लोहपुरूष की उपाधि प्राप्त हुई। इसके सम्मान में नर्मदा के तट पर स्टेच्यू आफ लिबर्टी का निर्माण करवाया जिसकी उंचाई 455 फीट है जो आज विश्वपर्यटन का केन्द्र है। अंत में मतदाता जागरूकता के अंतर्गत डा.निरंजन गंगवाल नोडल अधिकारी द्वारा 18 वर्ष की आयु पूर्ण विद्यार्थियों को मतदाता कार्ड बनावाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य ने किया एवं आभार सहायक प्राध्यापक डॅ.निरंजन गंगवाल ने माना। इस अवसर पर 55 से अधिक छात्रायें एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

## अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 5 खिलाड़ियों का चयन

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** कौशल्यादास यूनिवर्सिटी हनुमानगढ राजस्थान में दिनांक 27 से 30 अक्टूबर तक 2024 तक आयोजित होने वाली पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता भाग लेने वाली विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन वॉलीबॉल महिला टीम में मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन की खिलाडियों दिव्यांशी गुप्ता, नेहा सालवी, जानवी हाडा, चंचल सालवी, कृष्ण पाटीदार का चयन हुआ है। यह पांचों बालिकाएं हनुमानगढ राजस्थान में आयोजित होने वाली पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन टीम का प्रतिनिधित्व करेगी।

बालिकाओं के चयन होने पर शासकीय पी.जी. कॉलेज मंदसौर के प्राचार्य डॉ दिनेशचंद गुप्ता, शासकीय पीजी कॉलेज दलौदा प्राचार्य डॉ शैलेंद्र मालवाडी, पी.जी .कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, जिला क्रीडा अधिकारी मंदसौर बंशीलाल बारीवाल, पूर्व क्रीडा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा, पी.जी .कॉलेज दलौदा खेल अधिकारी अब्दुल रजाक, शासकीय कन्या कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी मनीष पांचाल एवं जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान एवं सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबियॉ, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबडा, राजेंद्र सिंह, अभिषेक सेठिया, अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, चयन माली, आशीष रेठा, आस्था भावसार, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, नमन शर्मा अनिल बैरागी, कुणाल राठौड़ मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसो. के कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

## नि:शुल्क सायकल वितरण सम्पन्न

**मनासा, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्य प्रदेश शासन के निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम दिनांक 25/10/2024 गुरुवार को प्रात: 10:30 बजे शासकीय हाई स्कूल चुकनी में विधायक अनिरुद्ध माधव मारू के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश जी पुरोहित जिला पंचायत सदस्य श्याम जी वसीटा, जनपद सदस्य सुनील जी शर्मा, ग्राम पंचायत सरपंच साहब अंबालाल जी पाटीदार ,मांगीलाल जी डॉक्टर साहब, भेरुलाल जी राठौड, नंदकिशोर जी पाटीदार एवं ग्राम वासियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर के कार्यक्रम को भव्य बनाया । कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य पुष्पराज मासीह द्वारा पुष्प माला से विधायक का स्वागत किया एवं अतिथियों का स्वागत ग्राम वासियों द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जागृति जोशी द्वारा किया गया और शाला परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत व आभार सत्यनारायण चौधरी द्वारा प्रदर्शित किया।

## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सर्टिफिकेट कोर्सेज में प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम घोषित

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल एवं आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित होने वाले दो सर्टिफिकेट कोर्सेज ए.आई. एवं फिनटेक विद ए.आई. में प्रवेश हेतु परीक्षा का कार्यक्रम घोषित किया जा चुका है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षा 5 नवंबर 2024 को प्रात: 10%30 बजे महाविद्यालय में संचालित की जाएगी। परीक्षा की अवधि 1 घंटे की होगी। सभी परीक्षार्थी निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व परीक्षा स्थल में उपस्थित होंगे। सभी परीक्षार्थियों को पहचान पत्र के रूप में महाविद्यालय द्वारा जारी आईडी कार्ड को अपने साथ लाना अनिवार्य है। परीक्षा के उत्तरों हेतु नीली इंक का बॉल पेन ही मान्य है। यह परीक्षा ऑफलाइन होगी। इस प्रवेश परीक्षा में जनरल नॉलेजब एप्टीट्यूडब तथा कंप्यूटर पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे। महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री नरेश जी चंदवानी ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे उक्त दोनों सर्टिफिकेट कोर्स की प्रवेश परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर लाभान्वित हों।

## राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने जिले की शिक्षिका श्रीमती सक्सेना का किया सम्मान

### श्रीमती सक्सेना द्वारा विद्यार्थियों को कम लागत में विज्ञान से जोड़ने का किया सफल प्रयास

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रशासन अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में जिले की क्रमांक 2 विद्यालय मंदसौर की शिक्षिका श्रीमती कीर्ति सक्सेना को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरूस्कार प्रदान किया। श्रीमती सक्सेना द्वारा उत्कृष्ट शैक्षिक सेवाओं तथा विज्ञान और जीव विज्ञान के शिक्षण को जीवंत और आकर्षक बनाने के लिए वेस्टेज मटेरियल से स्व निर्मित मॉडल का उपयोग किया। जिसमें न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक और नवाचार की भावना भी जागृत हुई। श्रीमती सक्सेना ने जिले की सर्वश्रेष्ठ लेब की स्थापना की जो उनके दृढ संकल्प और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने प्रकृति से जुडकर अध्यापन कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया और अपने विद्यार्थियों को राज्य स्तर की शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा उन्होंने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की जिसमें वह अपनी शिक्षण विधियां और मॉडल को साझा करती हैं जिससे अन्य शिक्षक और विशेष रूप से श्रमिक वर्ग के विद्यार्थी भी लाभान्वित हो।श्रीमती सक्सेना के प्रयासों से समाज के अत्यंत गरीब और श्रमिक वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार होता है और वे उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ते है। उल्लेखनीय है कि 2019 में श्रीमती कीर्ति सक्सेना शैक्षिक संगोष्ठी में जिला और संभाग स्तर से चयनित होकर राज्य स्तर पर राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है।

## अफीम नीति में देरी को लेकर 5 नवंबर को मंदसौर अफीम कार्यालय के सामने विशाल धरना

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** अफीम काश्तकार संगठन लंबे समय से किसानों की लडाई लडते रहे है दूसरी और केंद्र सरकार और विभाग की गलत नीतियों का खामियाजा किसान भुगत रहा है। नवम्बर माह आने को है परन्तु नई अफीम नीति अभी तक घोषित नहीं की गई इसे लेकर किसानों में भारी आक्रोश है अफीम नीति में देरी को लेकर 5 नवंबर को सैकडों किसान अफीम कार्यालय मंदसौर पर एकत्रित होकर प्रदर्शन करेंगे तथा वित्त मंत्री के नाम जिला अफीम अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

अफीम काश्तकार संगठन के नेता अमृतराम पाटीदार, वरिष्ठनेता खूबचन्द शर्मा, तुलसीराम माली, दिलीप पाटीदार बुढा और युवा योगेंद्र जोशी ने बताया कि वर्षों से किसानों की मांगों को अनदेखा किया जा रहा है, सितम्बर माह में घोषित होने वाली नीति नवम्बर तक पहुंच गई कोई भी देरी का स्पष्ट कारण नहीं बता रहें हैं। सांसद लाचार और बैबस है केवल आश्वासन देकर इतिश्री कर रहें हैं। लगभग एक महीने की देरी होने से किसानों की चिंताएं बढना स्वाभाविक है। किसानों की उदासी मायूसी का भी नेताओं और सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड रहा है। किसानों की भावना को देखते हुए अफीम काश्तकार संगठन ने 5 नवंबर को जिला अफीम कार्यालय के सामने प्रात: 11 बजे धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। अफीम नीति की देरी के विरोध में आयोजित इस धरने में सैकडो किसानों के एकत्रित होने की संभावना है। प्रमुख किसान नेता अमृतराम पाटीदार ने अफीम कास्तकारों की अन्य मांगों 1995 से लगाकर के अभी तक कटे हुए सभी पट्टे बहाल किये जाये, प्रत्येक प्रत्येक किसान को दस दस आरी के लायसेंस दिये जाये, 10 हजार रूपये प्रति किलो अफीम का भाव किया जाये, सीपीएस पद्धति को समाप्त किया जाये और चिरा पद्धति लागू की जाए को भी केन्द्र सरकार के समक्ष रखा जाएगा तथा मांग की जाएगी कि धारा 8/18और 8/29 में संशोधन किया जाये क्योंकि बेगुनाह लोगों को फंसाया जा रहा है। श्री खुबचद शर्मा ने समस्त अफीम काश्तकार से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

## जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन सभाकक्ष में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, यूआईडीएआई प्रतिनिधि तथा जिला प्रबंधक ई गर्वनेंस के साथ ही शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बैंक, स्वास्थ्य, पोस्ट ऑफिस सहित विभिन्न सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश दिये कि जिले में उपलब्ध सभी आधार केन्द्रों को समयबद्ध तरीके से क्रियाशील किया जाये। बच्चों के नए आधार नामांकन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की मोबाइल आधार किट से गांवों में शिविर लगायें। 5-7 और 15-17 वर्ष की आयु के बच्चों के आधार में लंबित अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट करा लें और आधार में अपने दस्तावेज़ अपडेट करा लें, यदि पिछले 10 वर्षों में एक भी बार अपडेट नहीं किया गया है। यूआईडीएआई प्रबंधक ने बताया कि निवासी यूआईडीएआई वेबसाइट (https://bhuvan-app3.nrsc. gov.in/ aadhaar/) पर अपने निकटतम आधार सेवा केंद्र का पता लगा सकते हैं और साथ ही यह भी कहा कि 18+ नए आधार नामांकन की सुविधा सभी डाकघरों और लोक सेवा केंद्रों में उपलब्ध है। बैठक में यूआईडीएआई प्रबंधक तथा जिला प्रबंधक ई गर्वनेंस ने जिले में आधार से संबधित गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक के पश्चात यूआईडीएआई प्रबंधक द्वारा ज़िले के आधार ऑपरेटरों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया एवं ऑपरेटर्स की आधार कार्य से सम्बंधित समस्याओं का निदान भी किया गया।

## लिपिकवर्गीय कर्मचारी लेखा प्रशिक्षण के लिए 20 नवंबर तक करें आवेदन

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय एवं नगर निगम, नगर परिषदों के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विभागीय लेखा प्रशिक्षण सत्र एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025(दस सप्ताह) तक लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी नेहा कलचुरी ने सभी जिला अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख के कवरिंग लेटर के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवन इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन(म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

प्रशिक्षण के लिए पात्रता-लिपिकवर्गीय कर्मचारी की नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। सेवा शर्त के अनुक्रम में म.प्र.शासन शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से हिंदी मुद्रलेखन, परीक्षा, एम.पी.एस.ई.डी.सी.सी.पी.सी.टी.परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि विभागीय भर्ती नियमों में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, तो तत्संबंधी कार्यालय प्रमुख का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

## भाकिसं का प्रतिनिधि मण्डल विद्युत कम्पनी की एमडी से मिला

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** किसानों की बिजली संबंधी विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कं. की एमडी सुश्री रजनी सिंह से इंदौर में मिला। प्रतिनिधि मण्डल में मंदसौर से भारतीय किसान संघ के प्रांतीय सदस्य भंवरसिंह पंवार भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधि मण्डल ने मालवा प्रांत के किसानों की बिजली समस्याओं को लेकर प्रांत कार्यकारिणी द्वारा इंदौर में एमडी सहित अन्य अधिकारियों से बैठक कर सभी मुद्दों पर बिंदुवार चर्चा की। क्षेत्री संगठन मंत्री महेश चौधरी के नेतृत्व 16 बिंदुओं पर बिंदुवार चर्चा की गई इसमें प्रांत महामंत्री रमेश दांगी द्वारा प्रत्येक बिंदु को अधिकारियों के समक्ष रखा गया जिसमें ओवरलोड ट्रांसफार्मर बिजली के अधिक बिल, स्थाई कनेक्शन हर समय देना, मेंटेनेंस ठीक से नहीं करना, समय पर वोल्टेज के साथ बिजली उपलब्ध कराना, किसानों द्वारा ट्रांसफार्मर लाने पर किराया उपलब्ध कराना तथा जिला स्तर पर किसानों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संवाद स्थापित करना, अधिकारियों द्वारा मनमाने तरीके से भार बढाना सहित कई बिंदु पर कंपनी का ध्यान आकर्षण कराया गया। प्रांतीय सदस्य भंवरसिंह पंवार ने मंदसौर जिले के अफजलपुर ग्रीड के अंतर्गत आने वाले गांव रिंडा में विद्युत विभाग की लापरवाही से करंट की चपेट में तीन भैंस की मौत के बारे में भी एम.डी. एवं अन्य अधिकारियों को अवगत कराया तथा इस तरह की लापरवाही आगे न हो इस हेतु आवश्यक कदम उठाने की बात कही। प्रांत बिजली प्रमुख दयाराम पाटीदार ने कुछ बिंदुओं पर विशेष जोर दिया। प्रांत संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी ने स्पष्टशब्दों में कहा आज हम बिंदुवार विषय रख रहे हैं अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया तो किसी भी प्रकार की स्थिति बनने के लिए विद्युत विभाग जिम्मेदार रहेगा। इस दौरान प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, प्रांत कोषाध्यक्ष शांतिलाल शर्मा, प्रांत मंत्री द्वय भारत सिंह बेस, महेश ठाकुर धर्मचंद गुर्जर, प्रदेश मंत्री राजेंद्र शर्मा, प्रांत जैविक प्रमुख आनंद सिंह ठाकुर, प्रांत कार्यालय प्रमुख सीताराम प्रजापत, प्रांत सदस्य भंवर सिंह पवार, प्रांत सदस्य मोहन पाटीदार, श्याम पंवार, महिला संयोजिका वैशाली मालवीया, कार्यालय व्यवस्था प्रमुख सुनील राठौर उपस्थित रहे।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 1500 | 2150 | 2610 |
| उडद | 130 | 6351 | 7501 |
| सोयाबीन | 7500 | 3680 | 4720 |
| गैहु | 3600 | 2650 | 3280 |
| चना | 180 | 6001 | 6851 |
| मसुर | 45 | 5800 | 6340 |
| धनिया | 350 | 4601 | 7300 |
| लहसुन | 13500 | 9500 | 27000 |
| मैथी | 900 | 4243 | 6300 |
| मुंगफली | 7500 | 4000 | 5353 |
| अलसी | 1800 | 5850 | 6125 |
| सरसो | 300 | 5510 | 5835 |
| तारामीरा | 0000 | 0000 | 0000 |
| इसबगोल | 160 | 10101 | 13300 |
| प्याज | 4200 | 1500 | 4100 |
| कलोंजी | 30 | 11900 | 18500 |
| तुलसी बीज | 18 | 16000 | 19501 |
| डॉलर | 28 | 9000 | 11401 |
| तिल्ली | 61 | 10500 | 12971 |
| जौ | 000 | 0000 | 0000 |
| मटरसुखी | 11 | 4351 | 5200 |
| असालीया | 19 | 10600 | 12411 |
| मूंग | 0000 | 0000 | 0000 |

# मंदसौर जिला चिकित्सालय में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नई व्यवस्था, जनता को मिलेगी राहत

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर जिला चिकित्सालय, में अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए नई व्यवस्था की गई है। पिछले कुछ समय से अस्पताल में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर कई शिकायतें सामने आ रही थीं। जनता के असंतोष को देखते हुए मंदसौर के विधायक विपिन जैन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया। उन्हें लगातार इस विषय पर शिकायतें मिल रही थीं, जिसमें लोग जन्म ओर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में हो रही समस्याओं और भीडभाड की स्थिति का उल्लेख कर रहे थे। विधायक ने स्थिति की संवेदनशीलता को समझते हुए कलेक्टर अदिति गर्ग को एक पत्र 27 सितंबर 2024 को लिखा और आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया।

नेमीचंद राठौर

इस पत्र के जवाब में, कलेक्टर अदिति गर्ग ने जिला चिकित्सालय प्रशासन को शीघ्र समाधान निकालने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर सिविल सर्जन द्वारा जिला चिकित्सालय में एक नवीन कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। इस नए कक्ष के बाहर एक टीन शेड लगाकर जनता को धूप और वर्षा से बचाव की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अलावा, गर्मी और उमस को ध्यान में रखते हुए पंखे भी लगाए गए हैं, ताकि प्रतीक्षारत लोगों को आरामदायक वातावरण मिल सके। साथ ही, कक्ष के बाहर बैंचों की व्यवस्था भी की गई है, ताकि लोगों को लम्बे समय तक खडे न रहना पडे और वे आराम से बैठ सकें। नई व्यवस्था में एक अटेंडर को भी तैनात किया गया है, जो प्रमाण पत्र की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इससे पहले, कई लोगों को प्रक्रिया की जानकारी न होने की वजह से असुविधा का सामना करना पडता था। अटेंडर की नियुक्ति से न केवल लोगों का समय बचेगा, बल्कि उन्हें सही और सटीक जानकारी भी प्राप्त होगी, जिससे प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होगी। जनता के लिए इस प्रकार की सुविधा का उपलब्ध होना प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सिविल सर्जन ने नवाचार करते हुए यह कदम उठाया है ताकि जनसुविधाओं में सुधार हो सके और सरकारी सेवाओं की पहुँच को अधिक सुलभ बनाया जा सके। इस नई व्यवस्था के तहत लोगों को अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लंबी कतारों में खडे रहकर इंतजार नहीं करना पडेगा, जिससे उनकी मानसिक और शारीरिक थकान भी कम होगी। अब देखना यह है कि इस नई व्यवस्था से जनता कितनी संतुष्ट होती है। व्यवस्था की प्रभावशीलता और जनसंतुष्टि के आधार पर इसे अन्य सरकारी सेवाओं में भी लागू करने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, प्रारंभिक प्रतिक्रिया सकारात्मक प्रतीत हो रही है, और लोग जिला चिकित्सालय के इस प्रयास की सराहना कर रहे हैं। विधायक विपिन जैन द्वारा कराई गई इस व्यवस्था का जनता ने स्वागत किया है और इसे प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना है।

## रामपुरा के एक उर्वरक विक्रेता का पंजीयन निलंबित

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** उप संचालक कृषि श्री भगवानसिह अर्गल द्वारा मेसर्स सांवरिया खाद बीज भंडार के प्रो.जगदीश चंद्र खंदुजा, न्यू बस स्टैंड अस्पताल रोड रामपुरा, मनासा नीमच द्वारा उर्वरक(नियंत्रण) आदेश, 1985 का उल्लंघन करने पर खुदरा उर्वरक पंजीयन क्र.आर.एस./432/1401/47/2020, वैधता अवधि- 19.10.2025 को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उल्लेखनीय है, कि उर्वरक निरीक्षण मनासा द्वारा उर्वरक विक्रेता मेसर्स सांवरिया खाद बीज भंडार, रामपुरा का 24 अक्टूरबर 2024 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया, कि पी.ओ.एस.मशीन में एन.पी.के. 20:20:0 उर्वरक की दर्ज मात्रा 397 बेग के स्थान पर भौतिक रूप से 110 बेग, एन.पी.के. 20:20:0:13 उर्वरक की दर्ज मात्रा 338 बेग के स्थान पर भौतिक रूप से उर्वरक स्टाक की मात्रा निरंक पाई गई एवं उपरोक्त भौतिक रूप से भंडारित मात्रा लायसेंस में दर्ज गोदाम से अन्यत्र स्थान पर पाई गई, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का स्पष्ट उल्लंघन है।

# सोयाबीन उपार्जन की कार्यवाही संवेदनशीलता से हो-मुख्यमंत्री

**नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी शुक्रवार से 1400 केन्द्रों पर प्रारंभ होगी। सभी संबंधित अधिकारी सोयाबीन उपार्जन की कार्यवाही संवेदनशीलता से करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अतिरिक्त सोयाबीन का उपार्जन प्रदेश सरकार करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 25 सितम्बर से 20 अक्टूबर तक ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों के पंजीयन की कार्रवाई की गई, जिसमें 3 लाख 44 हजार किसानी ने पंजीयन करवाया है। आवश्यकतानुसार खरीदी केन्द्रों की संख्या में परिवर्तन भी किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीदी गई सोयाबीन का भुगतान किसानों को ऑनलाइन किया जाएगा। प्रदेश में 7 जिले दतिया, भिंड, कटनी, मंडला, बालाघाट, सीधी एवं सिंगरौली को छोड़कर शेष सभी जगह सोयाबीन का उपार्जन होगा। इन जिलों से प्रस्ताव आने पर सोयाबीन उपार्जन पर विचार किया जाएगा। सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीदी की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 तक है। न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। अधिकारियों को औसत अच्छी गुणवत्ता के सोयाबीन की खरीदी कराने के निर्देश दिए गए हैं। खरीदी केन्द्रों पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों को मौजूद रहने के निर्देश दिये गये है, ताकि व्यवस्थित ढंग से सोयाबीन का उपार्जन किया जा सके। प्रदेश में पहली बार प्राइस सपोर्ट स्कीम(समर्थन मूल्य) के तहत सोयाबीन का उपार्जन किया जा रहा है। इसके लिए कृषि विभाग नोडल विभाग है एवं मार्कफेड राज्य उपार्जन एजेंसी निर्धारित है। सोयाबीन की खरीदी के लिये ई-उपार्जन पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। किसानों को ऑनलाइन ही सोयाबीन की उपज बेचने का भुगतान किया जाएगा।

# सुविधा घर तोड़ने से जनता को हो रही असुविधा

## नपा वैकल्पिक व्यवस्था करे-पार्षद बंसल

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** क्षेत्रीय पार्षद सुनिल बंसल ने एक वक्तव्य में कहा कि जनकूपुरा में गणपति चौक के नजदीक लखारा चौक स्थित सुविधा घर को एस डी एम न्यायालय आदेश के

बाद तोडा गया उसके बाद वहां पर रहने वाले रहवासियों,दुकानदारों राहगीरों को तकलीफ होने लगी है उन्हें विवशता में आसपास इधर-उधर गलियों में खडे होकर लघु शंका करना पडती है। उन्होंने कहा कि इस वजह से यहां आए दिन विवाद और झगडे हो रहे हैं। रहवासियों और उपयोगकर्ताओं के बीच रोज विवाद की स्थिति बन जाती है।

श्री बंसल ने मांग की है कि नगर पालिका परिषद को जिस जगह पर से स्थाई सुविधा घर को हटाया गया वहां पर अस्थाई रूप से एक सुविधा घर का खडा करना चाहिए ताकि इस प्रकार की समस्या से आमजनों को निजात मिल सके। जनकुपुरा एक सघन बस्ती है और पूरे क्षेत्र में कहीं पर सुविधा घर नहीं है। श्री बंसल ने नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर से निवेदन किया है कि शीघ्र जिस स्थान पर से वह सुविधा घर को तोडा गया मंदिर की दीवार से हटकर वहां पर एक सुविधा घर खडा किया जाए अथवा कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए ताकि आम जनता को राहत मिले सके।

# जावरा-उज्जैन हाईवे पर पेट्रोल टैंकर और इनोवा के बीच जोरदार भिड़ंत, 4 की मौत, 3 गंभीर

**उज्जैन, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एमपी के उज्जैन जिले के अंतर्गत आने वाले नागदा के जावरा-उज्जैन रोड पर स्थित ग्राम बढ़ाओनिया में शुक्रवार 25 अक्टूबर की सुबह एक बड़ा सडक हादसा हुआ है। यहां भारत पेट्रोलियम के टैंकर और इनोवा कार के बीच जोरदार टक्कर में इनोवा सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई है।**

बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुए इनोवा कार सवार सभी यात्री इंदौर के रहने वाले थे। शुरुआती जानकारी ये भी सामने आई है कि ये सभी दोस्त हैं और इंदौर से अजमेर जा रहे थे। एमपी 09 बीसी 7559 नंबर की इनोवा में चालक समेत 8 लोग सवार। इनमें से 3 की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक शख्स ने अस्पताल पहुंचते समय दम तोड दिया। वहीं, 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जबकि, कार सवार एक शख्स सुरक्षित है। है। फिलहाल, सभी घायलों को इलाज के लिए नागदा अस्पताल से उज्जैन के लिए रेफर किया गया है। जबकि, चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए पहले ही जिला अस्पताल पहुंचाया जा चुका है।

**टक्कर इतनी जोरदार थी की कार की छत उड गई-** भारत पेट्रोलियम के टैंकर क्रमांक आरजे 27 जीसी 2399 और इनोवा कार के बीच आमने सामने हुई टक्कर इतनी जोरदार थी कि इनोवा की छत ही टूटकर गायब हो गई और कार में सवार सभी लोग बुरी तरह से फंस गए। फिलहाल, घटना के बाद नागदा पुलिस के साथ साथ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। दुर्घटनाग्रस्त हुए टैंकर और कार को क्रेन की मदद से सडक के बीच से हटवाकर साइड में किया गया है। दुर्घटना के चलते सडक पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। फिलहाल, पुलिस यातायात सुचारू कराने में जुटी हुई है।

**हादसे का शिकार सभी इंदौर जिले के निवासी-** पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार सभी लोग इंदौर के अलग अलग इलाकों के रहने वाले थे। ये सभी दोस्त बताए जा रहे हैं। इनमें मृतकों के नाम 30 वर्षीय जुबेर पिता जाकिर निवासी इंदौर, 25 वर्षीय समीर पिता रशीद निवासी सांवेर, 25 वर्षीय ओसामा पिता सिद्दीक निवासी इंदौर की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य ने नागदा अस्पताल में दम तोड दिया है।

# मोबाईल चोर को 1 वर्ष का कारावास

**मनासा, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** सुश्री प्रीति परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा फरियादी की दुकान से मोबाईल की चोरी करने वाले आरोपी नरेन्द्र पिता कंवरलाल बावरी, उम्र-35 वर्ष, निवासी-ग्राम जालीनेर, थाना मनासा, जिला नीमच को धारा 379 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 500रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओ श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 06 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 23.03.2018 को शाम के लगभग 7:30 बजे मंदसौर नाका, मनासा स्थित फरियादी राकेश पाटीदार के संस्थान पाटीदार प्राविजन किराना स्टोर की हैं। फरियादी राकेश पाटीदार ने थाना मनासा पर उपस्थित होकर लेख कराई कि घटना दिनांक को उसकी दुकान पर एक व्यक्ति शक्कर और चायपत्ति लेकर गया था, जिसके आधे घण्टे बाद उसको पता चला कि उसका जियोनी कंपनी का मोबाईल, जिसमें 2 सिम लगी हुई हैं वह नहीं मिल रहा हैं। फरियादी ने उसकी दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों पर चैक किया तो जो व्यक्ति शक्कर व चायपत्ती ले गया था वही व्यक्ति उसके मोबाईल को भी चोरी करके ले गया हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना मनासा में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। पुलिस ने विवेचना के दौरान सीसीटीवी में दिख रहे व्यक्ति की पहचान कि जो कि आरोपी नरेन्द्र बावरी था। पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से फरियादी का मोबाईल जप्त किया तथा दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को साक्ष्य के रूप में संग्रहित कर आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, विवेचक सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री विपिन मण्डलोई, एडीपीओ द्वारा की गई।

## नपा द्वारा सड़कों का पेचवर्क जारी

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** नगरपालिका परिषद के द्वारा नगर में इन दिनों रोड के पेचवर्क का कार्य किया जा रहा है। नगर के मुख्य मार्गों कीं वे सडके जो पेचवर्क करने योग्य है। उन पर पहले पेचवर्क का कार्य किया जा रहा है। मुख्य बाजारों में पेचवर्क के बाद अन्य कॉलोनियों व अन्य स्थानों पर भी पेचवर्क का कार्य किया जायेगा। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी के निर्देश पर नपा ने कालाखेत रोड नं. 1, रोड नं. 3, बस स्टेण्ड बाजाली मंदिर से नयापुरा रोड तक महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से शुक्ला चौक तक पेचवर्क का कार्य पूर्ण कर लिया है। आगामी समय में दीपावली के पूर्व अन्य स्थानों पर भी पेचवर्क का कार्य किया जा रहा है।

## विधायक सखलेचा की उपस्थिति में सिंगोली मंडल में सक्रिय सदस्यता की पात्रता वाले...

# कार्यकर्ताओं के सक्रिय सदस्यता के फार्म भरे

**सिंगोली, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** भाजपा सदस्यता अभियान के अंतर्गत अब मंडल स्तर पर जिन कार्यकर्ताओ ने सदस्यता अभियान में सक्रियता से भाग लेते हुए 50-50 सदस्य बनाए उन साथीयों को सक्रिय सदस्य बनाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा सिंगोली मंडल के प्रवास पर आए ओर जिला महामंत्री अशोक सोनी विक्रम मंडल अध्यक्ष गोपाल धाकड सहित कई कार्यकर्ताओं के पार्टी की सक्रिय सदस्यता का फार्म भरते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं को पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करने की बात कही।

विधायक सखलेचा ने क्षेत्र के विकास पर बात करते हुए बताया कि सौभाग्य से हमारे संसदीय क्षेत्र में दिनांक 29 अक्टूबर को नीमच में नव निर्मित विरेन्द्र कुमार सखलेचा मेडिकल कॉलेज ओर मंदसौर में नव निर्मित सुन्दरलाल पटवा मेडिकल कांलेज का उद्घाटन देश

के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हाथों वर्चुअल तरीके से दोनों स्थानों पर समारोह पूर्वक होने जा रहा है। जो जिले के लिए बहुत बडी उपलब्धि ओर सौगात होगी। सखलेचा ने बोलते हुए यह भी बताया कि नीमच में खुले मेडिकल कॉलेज से क्षेत्र वासियों को चिकित्सा के क्षेत्र में जबरदस्त सुविधाएं उपलब्ध होगी ओर जिसकी शुरुआत नवम्बर के दूसरे सप्ताह में दो दिवसीय चिकित्सा शिविर जावद में लगा कर की जा रही है। उपरोक्त चिकित्सा शिविर में नीमच मेडिकल कॉलेज से 50 से अधिक वरिष्ठ चिकित्सको की टीम अपनी सेवा देने के लिए उपस्थित रहेंगी। शिविर में रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा ओर बिमारी निकलने पर नीमच मेडिकल कॉलेज में इलाज किया जाएगा विधायक सखलेचा ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में विकास को लेकर भी चर्चा की। आज की इस बैठक के अवसर पर विधायक सखलेचा जिला महामंत्री अशोक सोनी विक्रम मंडल अध्यक्ष गोपाल धाकड मंडल महामंत्री पारस जैन राधेश्याम मेघवंशी सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## सीतामऊ में चार संस्थानों से लिए सेम्पल

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला कलेक्टर के निदेशानुसार्स आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 25 अक्टूबर शुक्रवार को मंदसौर जिले के सीतामऊमें कार्यवाही के दौरान चार संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 25 अक्टूबर शुक्रवार को मंदसौर जिले के सीतामऊ में कार्यवाही के दौरान मेहता मावा भंडार से मावा, रमेश मावा वाले से मावा, आनंद होटल से मावे की बर्फी और भैरव नमकीन से मावा मिठाई के नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

## अपना घर के बच्चों को भोजन कराया

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** श्री लक्ष्मीलाल सूरजबाई मारू पारमार्थिक ट्रस्ट के सहयोग से जैन सोश्यल ग्रुप मंदसौर ग्रेटर के तत्वाधान में मारू परिवार द्वारा साप्ताहिक सेवा प्रकल्प का आयोजन दिनांक 20 से 26 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। उसी क्रम में ट्रस्ट द्वारा अपना घर पर बच्चों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर मंचासीन ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अशोक मारु, म प्र रीजन सहसचिव श्री कमलेश कटारिया, ग्रुप अध्यक्ष श्री अशोक झेलावत, श्रीमती चन्दा मारू, उपाध्यक्ष श्रीमती संजुला धींग, सचिव श्री गौरव मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री सुनील मारू आदि मंचासीन थे।

# नपाध्यक्ष व मेला सभापति ने मेला स्थल का निरीक्षण किया

**मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा दिनांक 11 से 30 नवम्बर तक 20 दिवसीय भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का मेला आयोजित किया जाना है। मेला की तैयारियों का जायजा लेने के लिये कल शुक्रवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व मेला सभापति श्रीमती भावना पमनानी ने नपा के सभापतिगणों व मेला समिति के सदस्यों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया तथा मेला की व्यवस्थाओं के संबंध में मेला अधिकारी पी.एस. धारवे व मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व मेला सभापति श्रीमती पमनानी ने संभावित सांस्कृतिक मंच स्थल, पार्किंग स्थल तथा मनिहारी दुकानों के स्थल का निरीक्षण किया तथा यहां मेला के आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर मेला समिति सदस्यगण श्रीमती रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, दीपक गाजवा, श्रीमती माया नीलमचंद भावसार श्रीमती दिव्या अनूप माहेश्वरी, श्रीमती संगीता शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, नपा सभापतिगण रमेश ग्वाला, श्रीमती दीपमाला मकवाना, श्रीमती निर्मला चंदवानी, सत्यनारायण भांभी, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, पार्षदगण श्रीमती बब्बन युसुफ गौरी, आशीष गौड एडवोकेट, विक्रम भैरवे, नंदलाल गुजरिया, राकेश भावसार, अनूप माहेश्वरी, शैलेन्द्र गोस्वामी, राजेश सोनी ऐरावाला, बब्बू पमनानी, मो. आरिफ अंसारी, बंशी राठौर, जगदीश बैरागी, नपा उपयंत्री एस.पी. सिंह, नपा के गैराज सहायक जाकिर भाई, संजय खमेसरा भी निरीक्षण में साथ थे। नपाध्यक्ष एवं मेला सभापति के द्वारा मेला को भव्य रूप से आयोजित करने के संबंध में मेला समिति सदस्यों व कर्मचारियों के साथ आवश्यक चर्चा की गई तथा मेला की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर विचार विमर्श भी किया गया।


## कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/पु.अ./मंदसौर/र.नि./सूबे./3304/2024 दिनांक-23.10.2024

**** खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति ****

जिला मंदसौर में वित्तीय वर्ष 2024-25 लघु निर्माण कार्य के अंतर्गत निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ऑनलाईन खुली निविदाएं समय सारणी अनुसार www.MPTenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निर्माण कार्यों का विवरण निम्नानुसार है।

| क्रं. | प्रस्तावित कार्य का नाम | स्वीकृत राशि | धरोहर राशि | कार्य की अवधि | कार्यालय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ब्लॉक 01 थाना वाय.डी. नगर (आवास क्रं.सी-01 से सी-08 कुल 08 आवास | 2,17,308/- | 6,519/- | 30 दिवस | पुलिस अधीक्षक मंदसौर |
| 2 | ब्लॉक 02 थाना वाय.डी. नगर (आवास क्रं.सी-09 से सी-16 कुल 08 आवास | 2,16,314/- | 6,489/- | 30 दिवस | पुलिस अधीक्षक मंदसौर |
| 3 | आवास क्र.एन-01 पुलिस लाईन परिसर रक्षित निरीक्षक आवास | 57,116/- | 1,713/- | 30 दिवस | पुलिस अधीक्षक मंदसौर |
| 4 | एन-01 एन.जी.ओ. आवास पुलिस कंट्रोल रुम परिसर कालोनी | 49,568/- | 1,487/- | 30 दिवस | पुलिस अधीक्षक मंदसौर |
| 5 | ब्लॉक बी आवास क्रं.सी-21 एम.आई. टी. पुलिस कालोनी मंदसौर | 63,806/- | 1,914/- | 30 दिवस | पुलिस अधीक्षक मंदसौर |

समय सारणी

| क्रं. | विवरण | दिनांक/समय |
|---|---|---|
| 1 | निविदा प्रकाशन दिनांक | 25.10.2024 के 12.00 बजे से |
| 2 | निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक | 26.10.2024 के 10.00 बजे से |
| 3 | निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक | 08.11.2024 के 17.00 बजे तक |
| 4 | निविदा खोलने की दिनांक | 11.11.2024 के 13.00 बजे |

अतः उपरोक्त निर्माण कार्यों के पृथक-पृथक टेण्डर www.MPTenders.gov.in की वेबसाईड पर प्रसारित किये गये है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी के लिए समस्त दस्तावेज, निविदा शर्ते उक्त वेबसाईड एवं रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन मंदसौर से प्राप्त कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक
जिला मंदसौर

G-18142/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।



## कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 22.10.2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राधेश्याम जाटव पिता वरदीचंद जी जाटव जाति जाटव, निवासी ग्राम दमदम तहसील व जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का मकान, भवन पंजी क्रमांक-158, वार्ड नंबर-6, गाईड लाईन अनुसार प.ह.नं. 34, ग्राम दमदम तहसील व जिला मंदसौर में स्थित है। जिसका सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक-एमपी 249392024ए 1091803 दिनांक 24.01.2024 से अपनी पत्नि श्रीमती शांतिबाई जाटव पति राधेश्याम जी जाटव जाति जाटव, निवासी ग्राम दमदम तहसील व जिला मंदसौर को अपना सहस्वामी बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तुसीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तुःसीमा-पूर्व में -देवीलाल गुर्जर, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-टीलीबाई, दक्षिण में-गुड्डीबाई, पैमाईश-लम्बाई 80 फीट तथा चौड़ाई 24 फीट है। कुल क्षेत्रफल -1920 वर्गफीट या 178.37 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर राधेश्याम जाटव पिता वरदीचंद जी जाटव जाति जाटव द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में-मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर



कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

## नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक HX-85 श्रीमती मधु अग्रवाल पति स्व. श्री अजीत अग्रवाल को मण्डल आदेश क्रमांक 3633 दिनांक 07.09 2022 द्वारा नामांतरित किया गया था।

श्रीमती मधु अग्रवाल पति स्व. श्री अजीत अग्रवाल द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री पिंकेश पिता सूरजमल अग्रवाल (एच.यु.एफ) द्वारा कर्ता को कर दिनांक 15.07.2021 को भवन का विक्रय विलेख उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री पिंकेश पिता सूरजमल अग्रवाल (एच.यु.एफ) अपने नाम करवाना चाहते है।

अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक HX-85 किटियानी मंदसौर का नामान्तरण श्री पिंकेश पिता सूरजमल अग्रवाल (एच. यु.एफ) के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)



इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

## डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

दिनांक 27 अक्टूबर रविवार को सुबह 10 से 4 बजे और सोमवार 28 अक्टूबर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-* चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, * एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, * शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, * गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, * असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, * शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, * लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, * बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, * नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, * सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in